पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org

दि. 2 मई 2025

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

केआईआईटी विश्वविद्यालय में एक और नेपाली छात्रा की आत्महत्या अत्यंत हृदयविदारक: अभाविप

कलिंग इंस्टीट्यूट में नेपाली छात्रा की आत्महत्या पर ओडिशा सरकार की चुप्पी असंवेदनशील, जवाबदेही सुनिश्चित कर दोषियों पर तुरंत हो सख्त कार्रवाई: अभाविप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, केआईआईटी (कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी) के अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास में एक और नेपाली छात्रा पृषा शाह की आत्महत्या पर गंभीर आक्रोश और शोक प्रकट करती है। फरवरी माह में छात्रा प्रकृति की आत्महत्या के दो माह बाद यह दूसरी आत्महत्या हुई है, जो विश्वविद्यालय के भीतर छात्र सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाती है। यह केवल एक "दुर्घटना" नहीं अपितु संस्थागत विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

ऐसी घटनाओं पर ओडिशा राज्य सरकार की लगातार चुप्पी और निष्क्रियता बेहद निंदनीय है। सरकार की यह अकर्मण्यता न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन को बचाने और ऐसी घटनाओं के मामलों को दबाने की मंशा को भी दर्शाती है। अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ घटित ऐसी घटनाओं से न केवल भारतीय परंतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यार्थी समुदाय में रोष और द्वेष उत्पन्न हो रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ओडिशा राज्य सरकार से यह माँग करती है कि केआईआईटी विश्वविद्यालय में हुई घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दोषी अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर सभी आत्महत्या मामलों की स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायिक जांच कराए, ताकि ऐसी दुर्घटनाओं के कारण सामने आ सके। साथ ही सभी विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनिवार्य सुधार तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ.वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, "अभाविप मृतक छात्रा के परिवार और नेपाली छात्र समुदाय के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ी है। लगातार दो अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं की मृत्यु के बाद भी ओडिशा सरकार चुप क्यों है? विश्वविद्यालय प्रशासन कोई जवाबदेही सुनिश्चित क्यों नहीं कर पा रहा है? यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि संस्थागत आपराधिक असंवेदनशीलता है। यदि इस प्रकार की अति संवेदनशील घटनाओं पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उचित जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई तो अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों का ऐसे विश्वविद्यालयों और संस्थानों पर से भरोसा उठ जाएगा। अभाविप मांग करती हैं कि राज्य सरकार तुरंत इस घटना की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करे और सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उचित कदम उठाये।"

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री सौरभ पाण्डेय द्वारा जारी की गई है।)